

श्री जाट (किसान) छात्रावास खींवसर (नागौर)

1. **संस्था का नाम :-** श्री जाट (किसान) छात्रावास खींवसर (नागौर)
मो. न. – 8239824139
2. **इतिहास:-** अपुष्ट जानकारी के अनुसार 1934 ई. में बलदेव राम मिर्धा एवं चौधरी मूलचंद की प्रेरणा से स्थानीय चौधरी हेतराम और लक्ष्मीनारायण चाँडक ने खींवसर में किसान छात्रावास की स्थापना में सहयोग किया। इस छात्रावास के विकास एवं संचालन में थली क्षेत्र के गाँवों के प्रबुद्ध जाट बन्धुओं का योगदान रहा। सीणोद गाँव के भूराराम चौधरी (जाजड़ा) इस छात्रावास कार्यकारणी के अध्यक्ष रहे। तत्पश्चात् 1958 ई. में चौधरी भूराराम के निधन पर महाराम चौधरी (पूर्व विधायक) संस्थान के अध्यक्ष रहे। इस छात्रावास के संचालन में उत्तर प्रदेश से आये शिक्षकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। यह छात्रावास भी किसान बोर्डिंग हाउस जोधपुर की उपशाखा के रूप में सन् 1956 में पंजीकृत था तथा राज्य सरकार से अनुदान भी प्राप्त होता था।
3. **कार्यकारिणी:-** वर्तमान में बुधनाथजी महाराज (मंहत कुम्भाराम धुणा) अध्यक्ष है।
4. **विद्यार्थी विवरण:-** वर्तमान में छात्रावास में 20 विद्यार्थी जो प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं।
वर्तमान वार्डन:- उम्मेदाराम डिडेल – 8239824139
5. **भौतिक संसाधन:-** यहां छात्रावास के नाम कुल 8 बीघा जमीन है, मय बरामदा 11 कमरे बने हुए हैं, तथा एक रसोईघर बना हुआ है, 1 पानी का टांका बना हुआ है, तथा पूरे परिसर के चारों ओर पक्की चारदीवारी है। 6 कमरे व एक बड़ा हॉल निर्माणाधीन है, जो काफी समय से बीच में काम रुका हुआ है।
6. **प्रवेश प्रक्रिया:-** प्रवेश पहले आओ पहले पाओ के तहत दिया जाता है। केवल समाज के छात्रों को ही प्रवेश दिया जाता है। छात्रों से केवल भोजन के पैसे ही लिए जाते हैं, बाकी कमरे का कोई चार्ज नहीं है।
7. **शैक्षिक एवं सहशैक्षिक गतिविधियां:-** वर्तमान में यहां व्यवस्थित कार्यकारिणी नहीं होने के कारण कोई शैक्षिक कार्यक्रम नहीं होते हैं।

8. **वित्तीय प्रबन्धन एवं आय स्रोत**— यहां पर आय का कोई स्रोत नहीं है, छात्र अपने खर्चे से ही भोजन की व्यवस्था करते हैं। 1 लांगरी रखा हुआ, जिसकी सैलरी व खाने का खर्च छात्रों में बांट कर दिया जाता है।

9. **भोजन व्यवस्था**— खाना बनाने हेतु एक रसोइया रखा हुआ है, महीने के अन्त में जो खाने का कुल खर्चा होता है, व रसोइये की सैलरी छात्रों में बांट के लिया जाता है। इसके अलावा छात्रों से कोई चार्ज नहीं लिया जाता है। भोजन छात्रों के मनपसंद ही बनता है।